न्यूज़ टुडे

हिंद महासागर में विनाशकारी सुनामी के 20 वर्ष पूरे हुए हैं

2004 में हिंद महासागर में विनाशकारी सुनामी उत्पन्न हुई थी। यह **इंडोनेशिया के सुंडा ट्रेंच के पास आए 9.1 तीव्रता के भूकंप** के कारण हुई थी। इस सुनामी ने लगभग **14 देशों में भारी तबाही** मचाई थी।

- **सुंडा ट्रेंच प्रशांत महासागर के "रिंग ऑफ फायर" में अवस्थित** है। "रिंग ऑफ फायर" तीव्र ज्वालामुखी और भूकंपीय गतिविधियों का एक आर्च है, जो दक्षिण-पूर्व एशिया से होते हुए जापान से लेकर प्रशांत बेसिन तक फैला हुआ है।

सुनामी के बारे में

- भूकंप, भूस्खलन, समुद्र में लावा के प्रवेश, समुद्री पर्वत के ढहने या उल्कापिंड के प्रभाव के कारण **समुद्री नितल पर तीव्र हलचल** उत्पन्न होती है। इसके कारण जल के भीतर पैदा होने वाली अशांति से **तरंगों की विशाल श्रृंखला** पैदा होती है। इसे सुनामी कहा जाता है।
- **सुनामी की विशेषता**
  - सुनामी की लहरें गहरे महासागरीय क्षेत्र में जहाजों द्वारा अनुभव नहीं की जाती हैं, क्योंकि वहां इन लहरों की ऊंचाई (आयाम) बहुत कम होती है, जबकि इन लहरों के बीच की दूरी एक-दूसरे से बहुत अधिक होती है।
    - हालांकि, जब सुनामी उथले जल के पास पहुंचती है, तो **समुद्री लहरों का आयाम (ऊंचाई) बढ़** जाता है।
  - सुनामी की गति **समुद्र की गहराई पर निर्भर करती है, न कि लहर के स्रोत से दूरी पर।**

सुनामी के प्रभाव से निपटने के लिए उठाए गए कदम

- **वैश्विक**
  - **UNESCO-IOC सुनामी रेडी रिकग्निशन प्रोग्राम:** यह वैश्विक तटीय क्षेत्रों में सुनामी से संबंधित जोखिमों की रोकथाम को मजबूत करने के लिए एक स्वैच्छिक एवं अंतर्राष्ट्रीय समुदाय-आधारित प्रयास है।
  - **सुनामी यूनाइटेड प्रोग्राम:** यह सुनामी से निपटने से जुड़ी तैयारी बेहतर बनाने के लिए यूनेस्को की प्रमुख पहल है।
  - **वैश्विक सुनामी पूर्व चेतावनी और शमन कार्यक्रम:** यह UNESCO-IOC द्वारा शुरू किया गया एक कार्यक्रम है। इसके तहत सदस्य देशों को सुनामी से संबंधित जोखिमों का आकलन करने, पूर्व चेतावनी प्रणाली लागू करने आदि में सहायता प्रदान की जाती है।
- **भारत**
  - **भारतीय सुनामी प्रारंभिक चेतावनी केंद्र (Indian Tsunami Early Warning Centre- ITEWC):** इसे **भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना विज्ञान केंद्र, हैदराबाद** में स्थापित किया गया है। ITEWC भारत को सुनामी से संबंधित सलाह/ सूचना देने हेतु नोडल एजेंसी है।
  - भारत में सुनामी के प्रबंधन पर **राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा दिशा निर्देश** जारी किए गए हैं।
  - **ऐप्स और डिवाइस का विकास:** उदाहरण के लिए समुद्र में चेतावनी और अलर्ट के लिए GEMINI डिवाइस।

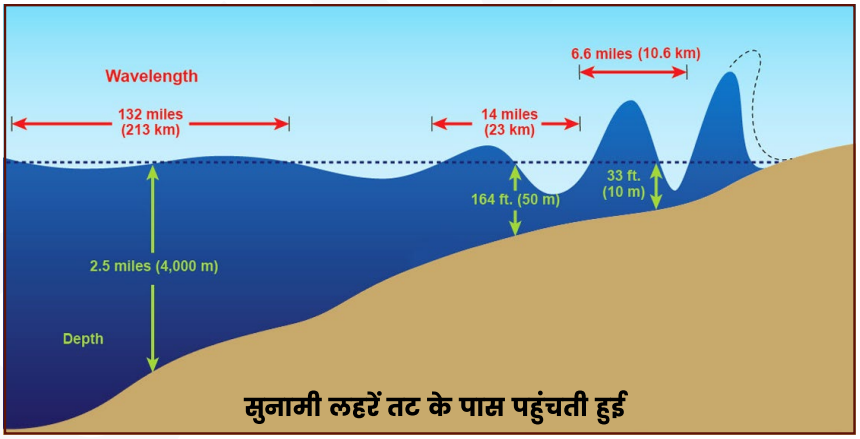

सुनामी लहरें तट के पास पहुंचती हुई

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) ने "भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR), 2023" जारी की

भारतीय वन सर्वेक्षण (FSI) द्विवार्षिक (दो वर्षों में एक बार) आधार पर 'भारत वन स्थिति रिपोर्ट (ISFR)' प्रकाशित करता है। इस रिपोर्ट को पहली बार **1987** में प्रकाशित किया गया था। ISFR 2023, इस श्रृंखला की **18वीं रिपोर्ट** है। FSI पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEFCC) के तहत कार्य करने वाला एक संगठन है।

रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर:

- **कुल वन एवं वृक्ष आवरण:** यह 2021 के आकलन (24.62%) की तुलना में भौगोलिक क्षेत्र के **25.17% तक बढ़** गया है।
  - इसमें **21.76% वन आवरण** और **3.41% वृक्ष आवरण** शामिल हैं।
  - **वन एवं वृक्ष आवरण में अधिकतम वृद्धि दर्शाने वाले राज्य:** छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और राजस्थान।
- **19 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों में 33 प्रतिशत से अधिक क्षेत्रफल** पर वन आवरण मौजूद है। इनमें से **8 राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों** (मिजोरम, लक्षद्वीप, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और मणिपुर) में **75 प्रतिशत से अधिक वन आवरण** है।
  - **राष्ट्रीय वन नीति, 1988** में राष्ट्रीय लक्ष्य के रूप में **देश के कुल भू-क्षेत्र के कम-से-कम 1/3 भाग** को वन या वृक्ष आच्छादित करने का प्रावधान किया गया है।
- **मैंग्रोव आवरण:** देश में कुल मैंग्रोव आवरण **4,992 वर्ग किमी.** है। इसमें **2021 की तुलना में 7.43 वर्ग किमी.** की कमी दर्ज की गई है।
  - **गुजरात में कमी** देखी गई है, जबकि **आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में वृद्धि** देखी गई है।
- **राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के अंतर्गत लक्ष्य:** भारत का **कार्बन स्टॉक 30.43 बिलियन टन CO_2 के समतुल्य** तक पहुंच गया है। यह दर्शाता है कि 2005 के आधार वर्ष की तुलना में, भारत पहले ही **2.29 बिलियन टन अतिरिक्त कार्बन सिंक** तक पहुंच चुका है, जबकि **2030 तक 2.5 से 3.0 बिलियन टन** का लक्ष्य रखा गया है।
- **बांस धारित क्षेत्र का विस्तार:** देश में बांस धारित क्षेत्र का विस्तार **1,54,670 वर्ग किलोमीटर** अनुमानित किया गया है। वर्ष 2021 में किए गए पिछले आकलन की तुलना में **बांस क्षेत्र में 5,227 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि** हुई है।

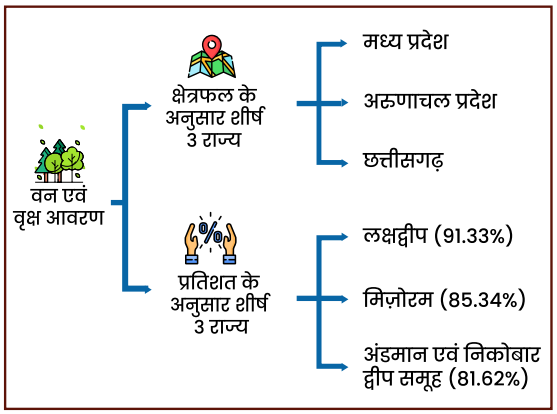

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस पर संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट में भारत में कच्चे तेल के भंडारण को लेकर चिंता जाहिर की गई

रिपोर्ट में बताया गया है कि **2023-24 के बजट** में कच्चे तेल के भंडारण के लिए **5,000 करोड़ रुपये आवंटित** किए गए थे, जबकि **वित्त वर्ष 2023-24** में कच्चे तेल के भंडारण पर कोई खर्च नहीं किया गया।

भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (Strategic Petroleum Reserve) के बारे में

- **शुरुआत:** भारत सरकार ने रणनीतिक तौर पर कच्चे तेल के भंडारण के लिए **वर्ष 2004** में **रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (SPR) कार्यक्रम** की शुरुआत की थी।
- **संस्था:** इसे **भारतीय रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (ISPRL)** द्वारा प्रबंधित किया जाता है।
- **SPR कार्यक्रम के दो चरण:**
  - **चरण-I:** इस कार्यक्रम के **पहले चरण** के तहत **विशाखापत्तनम, मैंगलोर** और **पादुर** में **कुल 5.33 मिलियन मीट्रिक टन (MMT)** कच्चे तेल का भंडारण करने के लिए भंडारण सुविधाएं विकसित की गई हैं। इनमें से पादुर में सबसे अधिक भंडारण क्षमता है।
  - **चरण-II:** 2021 में, सरकार ने ओडिशा के **चांदीखोल** (4 MMT) और कर्नाटक के **पादुर** (2.5 MMT) में दो अतिरिक्त **वाणिज्यिक-सह-रणनीतिक तेल भंडारण केंद्रों** को मंजूरी दी।
- **भारत में कच्चे तेल की कुल भंडारण क्षमता:**
  - **भारतीय रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (ISPRL)** का रणनीतिक भंडारण 9.5 दिनों की आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है।
  - **तेल कंपनियों** द्वारा वाणिज्यिक भंडारण **64.5 दिनों** की आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है।
  - **चरण-II** में **11 अतिरिक्त दिनों की आवश्यकताओं को पूरा करने** की योजना है। इससे भारत रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण के मामले में **अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) के 90 दिन के मानक के करीब पहुंच जाएगा।**

रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (SPR) का सामरिक महत्त्व

- **अंतर्राष्ट्रीय मूल्य स्थिरीकरण के लिए रणनीतिक साधन:**
  - **उदाहरण: तेल की कीमतों को कम करने के लिए** 2021 में विश्व के बड़े तेल उपभोक्ता देशों के साथ मिलकर भारत ने अपने रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व से **5 मिलियन बैरल तेल की आपूर्ति बाजार में की थी।**
- **भारत की ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक शक्ति में वृद्धि:**
  - **उदाहरण:** 2017 में UAE की **अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी** भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में कच्चे तेल का भंडारण करने वाली पहली विदेशी कंपनी बन गई।

भारतीय रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (ISPRL) के बारे में

- **उत्पत्ति:** 2004
- **प्रकार:** यह **स्पेशल पर्पज व्हीकल** के रूप में कार्य करती है और **ऑयल इंडस्ट्री डेवलपमेंट बोर्ड (OIDB)** की पूर्ण स्वामित्व वाली एक सहायक कंपनी है।
- **मंत्रालय:** पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय।
- **वाणिज्यिक उपयोग की अनुमति:** ISPRL अपनी **30% भंडारण क्षमता** भारतीय/ विदेशी कंपनियों को पट्टे पर देकर वाणिज्यिक उपयोग कर सकता है।
  - आपातकालीन परिस्थितियों में, कच्चे तेल की संपूर्ण भंडारण क्षमता पर सरकार का प्राथमिक अधिकार होगा।

द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत के प्रधान मंत्री ने कुवैत की पहली आधिकारिक यात्रा की

इस अवसर पर भारतीय प्रधान मंत्री को कुवैत के सर्वोच्च पुरस्कार **'द ऑर्डर ऑफ मुबारक अल कबीर'** से सम्मानित किया गया।

यात्रा के मुख्य परिणामों पर एक नजर

- **रणनीतिक साझेदारी:** भारत और कुवैत ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने का निर्णय लिया।
- **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA):** भारत ने सतत ऊर्जा सहयोग के लिए कुवैत के ISA में शामिल होने के फैसले का स्वागत किया।
- **एशियन कोऑपरेशन डायलॉग (ACD):** क्षेत्रीय सहयोग में ACD के महत्त्व पर बल दिया गया।
  - गौरतलब है कि **ACD का उद्घाटन 2001 में एशिया की सामूहिक शक्तियों का लाभ उठाने के उद्देश्य** से किया गया था। इसमें **35 देश शामिल** हैं। भारत **इसका संस्थापक सदस्य** है।
- **भारत-GCC सहयोग:** कुवैत ने भारत और GCC (खाड़ी सहयोग परिषद) के सदस्य देशों के बीच मजबूत संबंधों का समर्थन करने की बात कही। वर्तमान में **GCC की अध्यक्षता कुवैत** के पास है।
- **अन्य घटनाक्रम: नवीनीकृत सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम (2025-2029)** पर हस्ताक्षर किए गए। यह कार्यक्रम **कला, साहित्य और संस्कृति** को बढ़ावा देगा। इसके अलावा, भारत ने आतंकवाद से निपटने और सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए **चौथे दुशांबे प्रक्रिया चरण की मेजबानी** के लिए कुवैत की सराहना की।

भारत-कुवैत संबंध

- **व्यापार संबंध:** वित्त वर्ष 2023-24 में भारत और कुवैत के बीच **कुल 10.47 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार** हुआ था। भारत **इस व्यापार में घाटे** की स्थिति में है।
- **ऊर्जा सुरक्षा:** वित्त वर्ष 2023-24 में कुवैत ने भारत की **कुल ऊर्जा जरूरतों का 3% प्रदान** किया था। यह भारत का **9वां सबसे बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता** है।
- **प्रवासी:** कुवैत में लगभग **1 मिलियन भारतीय** रहते हैं, जो **संख्या और कार्यबल के हिसाब से कुवैत का सबसे बड़ा प्रवासी समुदाय** है।

खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) के बारे में

- **खाड़ी के अरब देशों के लिए सहयोग परिषद** की स्थापना 1981 में की गई थी। इसे GCC भी कहा जाता है।
- **मुख्यालय:** रियाद (सऊदी अरब)।
- यह एक क्षेत्रीय संगठन है। इसमें 6 सदस्य शामिल हैं: **बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात।**
- **उद्देश्य:** अपने सदस्यों के बीच समन्वय, एकीकरण और अंतर-संबंध बढ़ाना।
- **ऊर्जा सुरक्षा:** GCC भारत के **तेल आयात में 35% और गैस आयात में 70%** का योगदान देता है।

कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण संबंधी संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट जारी की गई

इस रिपोर्ट में **पशुधन क्षेत्रक में सुधार** के लिए कई उपायों की सिफारिश की गई है तथा संबंधित प्रमुख मुद्दों को भी उजागर किया गया है।

भारत में पशुधन क्षेत्रक की स्थिति पर एक नजर

- विश्व में **पशुधन की सर्वाधिक आबादी भारत** में है। 2022-23 में, इसने कुल सकल मूल्य वर्धन (GVA) में **4.66%** का योगदान दिया था।
  - इस क्षेत्रक में 2014-15 से 2022-23 तक **7.38% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि** दर से वृद्धि हुई है। इसलिए, कृषि संबंधी GVA में इसका योगदान **24.32% से बढ़कर 30.38%** हो गया है।

इस रिपोर्ट में उजागर की गई मुख्य चिंताएं

- **कम बजट आवंटन:** लघु पशुधन संस्थान, नस्ल सुधार संस्थान और भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् जैसे प्रमुख संस्थानों के लिए कम धनराशि आवंटित की जाती है।
- **चारा और आहार संबंधी मुद्दे:** भारत में केवल **5% कृषि योग्य भूमि पर चारा उत्पादन** होता है, जबकि भारत में विश्व की **15% पशुधन आबादी** है।
- **पशुधन बीमा:** भारत में केवल **1% पशुधन ही बीमा** के तहत कवर हैं।
- **अन्य मुद्दे:** इसमें निधियों का कम उपयोग करना, कम उत्पादकता, योजनाओं में अपर्याप्त प्रगति आदि शामिल है।

इस रिपोर्ट में की गई मुख्य सिफारिशें

- **पशुधन को विशेष क्षेत्रक (Special Sector) घोषित करना:** इससे इस क्षेत्रक को उचित महत्त्व और संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी।
- **राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम (NPDD) के लक्ष्यों को पूरा करना:** इसके तहत बल्क मिल्क कूलर्स और स्वचालित दुग्ध संग्रह इकाइयों की स्थापना पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।
- **आवारा पशुओं के लिए सहायता:** किसानों को अनुत्पादक पशुओं की देखभाल करने तथा गौशालाओं को वित्त-पोषित करने के लिए सब्सिडी या आर्थिक प्रोत्साहन प्रदान करना चाहिए।
- **पशुधन बीमा का विस्तार करना:** इसके तहत 53.5 करोड़ पशुधन आबादी को कवर किया जाना चाहिए।
- **अन्य सिफारिशें:** इसमें आनुवंशिक उन्नयन कार्यक्रम शुरू करना, राष्ट्रीय चारा मिशन की शुरुआत करना आदि शामिल हैं।

पशुधन क्षेत्रक के लिए भारत में शुरू की गई पहलें

- **राष्ट्रीय गोकुल मिशन:** इसका उद्देश्य सिलेक्टिव ब्रीडिंग के माध्यम से देशी नस्लों का संरक्षण और उनमें सुधार करना है।
- **किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) और पशु स्वास्थ्य अवसंरचना कोष:** इसका उद्देश्य ऋण की उपलब्धता को बढ़ाना और पशु स्वास्थ्य देखभाल अवसंरचना का विकास करना है।
- **डेयरी संबंधी कार्यक्रम:** NPDD जैसी पहलों का उद्देश्य डेयरी क्षेत्रक का आधुनिकीकरण करना और उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है।
- **स्वास्थ्य एवं रोग नियंत्रण:** इसके तहत **मुंहपका व खुरपका (FMD) और ब्रुसेलोसिस** की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम आदि शुरू किए गए हैं।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने 'पश्मीना प्रमाणन के लिए एडवांस्ड फैसिलिटी' और 'नेक्स्ट जनरेशन DNA सीक्वेंस सेंटर' का उद्घाटन किया

इन केंद्रों को **भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII), देहरादून** में स्थापित किया गया है।

- पहले से स्थापित **पश्मीना प्रमाणन केंद्र को एडवांस्ड फैसिलिटी के रूप में अपग्रेड** किया गया है।
- **नेक्स्ट जनरेशन DNA सीक्वेंस सेंटर** जलवायु परिवर्तन के प्रति आनुवंशिक अनुकूलन तथा रोगजनक और होस्ट जीव के बीच अंतर्क्रिया पर शोध अध्ययन को बढ़ावा देगा। इसके अलावा, यह केंद्र **बाघों, हाथियों, नदी डॉल्फिन** जैसी संकटग्रस्त प्रजातियों के लिए **संरक्षण रणनीतियों के विकास** को भी बढ़ावा देगा।

'नेक्स्ट जनरेशन DNA सीक्वेंसिंग' के बारे में

- **DNA सीक्वेंसिंग या अनुक्रमण:** इसमें DNA अणुओं में **एडेनिन, गुआनिन, साइटोसिन, और थायमिन नामक न्यूक्लियोटाइड्स के सटीक क्रम** का पता लगाया जाता है।
  - DNA सीक्वेंसिंग से वैज्ञानिकों को पता चलता है कि **किसी विशेष DNA सेगमेंट में किस तरह की आनुवंशिक जानकारी** मौजूद है।
- **नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग (NGS):** यह **आनुवंशिक सूचनाओं का विश्लेषण** करने का एक आधुनिक तरीका है। यह तरीका **बड़ी संख्या में DNA या RNA का तेजी से अनुक्रमण** कर सकता है।
- **लाभ:** जहां पुरानी तकनीक से अनुक्रमण में महीनों लग जाते थे, वहीं नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग से केवल **कुछ दिनों में ही पूरे जीनोम का अनुक्रमण** किया जा सकता है।

अलग-अलग क्षेत्रों में नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग के मुख्य उपयोग

- **माइक्रोबायोलॉजी:** बैक्टीरिया, वायरस जैसे रोगजनकों की जीनोम सीक्वेंसिंग से **रोगजनकों की पहचान** करने, **बीमारी के प्रसार** पर नजर रखने और **रोगाणुरोधी प्रतिरोध** का अध्ययन करने में मदद मिलती है।
- **चिकित्सा अनुसंधान और जीन थेरेपी:** कैंसर के प्रकारों की पहचान करने, वंशानुगत बीमारियों के लिए उत्तरदायी दोषपूर्ण जीन को बदलने और शरीर में सटीक अंग तक दवा पहुंचाने में सहायता मिलती है।
- **वन्यजीव संरक्षण:** नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग से वन्यजीवों की आबादी के **आनुवंशिक स्वास्थ्य, विविधता, विकासवादी इतिहास, रोग निगरानी और अवैध व्यापार का पता लगाने** में मदद मिलती है। साथ ही, यह तकनीक **जलवायु परिवर्तन का जैव विविधता पर पड़ने वाले प्रभावों का आकलन** करने में भी सहायक है।
- **कृषि:** फसल जीनोम की सिक्वेंसिंग से **फसल किस्मों को सूखा सहिष्णु** बनाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों के DNA का विश्लेषण करके **पर्यावरण-अनुकूल कीट-नियंत्रण तरीकों की खोज** की जा सकती है।

पश्मीना: कश्मीर का गोल्डन फाइबर

- **लद्दाख की चांगथांगी बकरियों से ऊन** प्राप्त किया जाता है और **बुनाई के बाद उसे पश्मीना** कहा जाता है। इस उत्पाद को **2019 में भौगोलिक संकेतक (GI) टैग** मिला था।
- यह **अति महीन (12-16 माइक्रोन) कश्मीरी ऊन** है। इसकी **पारंपरिक रूप से हाथ से कताई और बुनाई** की जाती है।
- **श्रीनगर में पश्मीना परीक्षण और गुणवत्ता प्रमाणन केंद्र** की स्थापना की गई है। यह केंद्र **पश्मीना की प्रामाणिकता और सख्त परीक्षण प्रोटोकॉल** का पालन करके गुणवत्ता मानक सुनिश्चित करता है।

अन्य सुर्ख़ियां

प्रधान मंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

गुजरात का मसाली गांव भारत का पहला सीमावर्ती सौर ऊर्जा गांव (सोलर विलेज) बन गया है। इस गांव की **100% बिजली आवश्यकता गांव में ही उत्पादित सौर ऊर्जा** से पूरी होती है।

- **प्रधान मंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना** के तहत इस गांव के सभी घरों के ऊपर सोलर रूफटॉप स्थापित कर दिए गए हैं।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में

- यह योजना **2024 में शुरू** की गई है।
- **नोडल मंत्रालय:** केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय।
- **योजना अवधि:** वित्त वर्ष **2026-27** तक।
- **उद्देश्य:** घरों पर रूफटॉप सोलर (RTS) स्थापित करने वाले 1 करोड़ **परिवारों को प्रतिमाह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली** उपलब्ध कराना।

संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद (UN Internal Justice Council)

सुप्रीम कोर्ट के **सेवानिवृत्त न्यायाधीश मदन बी. लोकुर को संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद का अध्यक्ष** नियुक्त किया गया है।

संयुक्त राष्ट्र आंतरिक न्याय परिषद के बारे में

- **स्थापना:** संयुक्त राष्ट्र की आंतरिक न्याय प्रणाली में **स्वतंत्रता और जवाबदेही सुनिश्चित** करने के लिए **महासभा** ने आंतरिक न्याय परिषद की स्थापना की है।
- **संरचना:** इसमें **पांच सदस्य** होते हैं। ये हैं- कर्मचारियों का एक प्रतिनिधि, प्रबंधन का एक प्रतिनिधि, दो बाहरी न्यायविद और एक अध्यक्ष।
- **नियुक्ति:** महासचिव द्वारा सदस्यों की नियुक्ति की जाती है।
- **कार्य:**
  - इस परिषद को **संयुक्त राष्ट्र विवाद अधिकरण (UNDT) और संयुक्त राष्ट्र अपीलीय अधिकरण (UNAT)** में न्यायाधीशों के रिक्त पदों के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों को खोजने का कार्य सौंपा गया है।
  - यह महासभा को **संयुक्त राष्ट्र न्याय प्रणाली के प्रशासन पर भी अपने विचार** प्रस्तुत करती है।

राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (NCDRC)

सुप्रीम कोर्ट ने **आवाज़ और अन्य बनाम RBI** मामले में NCDRC के 2008 के फैसले को खारिज कर दिया है।

- NCDRC ने अपने फैसले में **बैंकों द्वारा क्रेडिट कार्ड के बकाया पर 30% से अधिक ब्याज वसूलने को अनुचित व्यवसाय गतिविधि मानते हुए इस पर रोक** लगा दी थी।
- हालांकि, सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान निर्णय के बाद क्रेडिट कार्ड के बकाया पर **30% से अधिक ब्याज वसूला** जा सकता है।

NCDRC के बारे में

- इसकी स्थापना **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत 1988** में की गई थी। यह एक **अर्ध-न्यायिक आयोग** है।
- इसकी अध्यक्षता **सुप्रीम कोर्ट का वर्तमान या सेवानिवृत्त न्यायाधीश या हाई कोर्ट का वर्तमान या सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश** करता है।
- NCDRC के निर्णय के खिलाफ **सुप्रीम कोर्ट में अपील** की जा सकती है।
- **कार्य:**
  - **दो करोड़ रुपये से अधिक मूल्य वाले मामलों पर विचार** करना।
  - **राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोगों या जिला उपभोक्ता फ़ोरम्स** के आदेशों के खिलाफ **अपील सुनना और उनके निर्णयों का पुनरीक्षण** करना।

बायो-बिटुमेन

केंद्रीय परिवहन मंत्री ने **राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के नागपुर-मनसर बाईपास सेक्शन पर बायो-बिटुमेन से बने भारत के पहले राष्ट्रीय राजमार्ग का उद्घाटन** किया।

- **बिटुमेन कच्चे तेल के आसवन से प्राप्त एक काला पदार्थ** है। यह चिपचिपा होता है।
  - इसका उपयोग **मुख्य रूप से सड़क बनाने और जलरोधक बनाने** में किया जाता है।

बायो-बिटुमेन के बारे में

- यह **कार्बनिक तत्वों** से बना होता है। इस तरह यह बिटुमेन का **पेट्रोलियम-मुक्त विकल्प** है। बायो-बिटुमेन के उदाहरण हैं: **बायो-चार, पराली, लिगिन, बायो-ऑयल,** आदि।
- इसका उपयोग **बिटुमेन के बदले या फिर बाइंडर मिश्रण में बिटुमेन की मात्रा को कम** करने के लिए किया जा सकता है।
- **लाभ:** बिटुमेन के **आयात में कमी** आएगी, पराली जलाने की समस्या से निजात मिलेगी, बायो-इकॉनमी को बढ़ावा मिलेगा, आदि।
- **सड़क निर्माण के लिए अन्य संधारणीय तरीके:** कॉपर स्लैग, जियोटेक्सटाइल, कोल्ड अस्फाल्ट मिश्रण, आदि।

कच्छ का रण (गुजरात)

हाल ही में, प्रधान मंत्री ने पर्यटकों को **रण उत्सव (धोर्डो टेंट सिटी) के लिए कच्छ के रण** में जाने का सुझाव दिया है।

कच्छ के रण के बारे में

- **निर्माण:** प्राचीन भूवैज्ञानिक बदलावों के कारण **अरब सागर** का यह उथला क्षेत्र अब **मौसमी लवणीय दलदल और मरुस्थलीय क्षेत्र** में परिवर्तित हो गया है।
- **भौगोलिक विशेषताएं:** यह भारत और पाकिस्तान की सीमा के बीच फैला हुआ है। इसमें **ग्रेट रण और लिटिल रण** शामिल हैं।
- **जैव विविधता:** यहां **जंगली गधा अभयारण्य** स्थित है। यह स्थान **भारतीय जंगली गधे (खुर)** का एकमात्र पर्यावास है।
- कच्छ का रण **बेलनाकार मिट्टी के भूगों (झोपड़ियों) वाली आदिवासी बस्तियों, कच्छी कढ़ाई, रोगन चित्रकला (GI टैग प्राप्त)** आदि का केंद्र है।

घरों से वायु प्रदूषण

घरों में अलग-अलग स्रोतों से PM 2.5 उत्सर्जन पर नजर रखने वाले हालिया अध्ययनों ने **इनडोर वायु प्रदूषण का विश्लेषण** किया है।

- इन अध्ययनों के अनुसार **श्रीनगर, कानपुर और इलाहाबाद सहित 29 शहरों में PM 2.5 प्रदूषण में घरों से होने वाले उत्सर्जन की अधिक भूमिका** है।

घरेलू या इनडोर वायु प्रदूषण के बारे में

- यह **घरों के भीतर की गतिविधियों** से उत्पन्न होने वाला वायु प्रदूषण है।
- **स्रोत:** केरोसिन, बायोमास जैसे इनएफिशिएंट व प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन का उपयोग; कमरों में वेंटिलेशन नहीं होना या कम होना, आदि।
- **प्रकार:** इनएफिशिएंट स्टोव को जलाने से **ब्लैक कार्बन और मीथेन का उत्सर्जन** होता है। **ब्लैक कार्बन और मीथेन अल्पकालिक जलवायु प्रदूषक (SLCPs)** हैं।
  - ये वायुमंडल में **कम समय तक बने रहने के बावजूद उच्च ग्लोबल वार्मिंग क्षमता वाले प्रदूषक** हैं।
- **स्वास्थ्य पर प्रभाव:** इनडोर प्रदूषण से **स्ट्रोक, इस्केमिक हृदय रोग और फेफड़ों का कैंसर होने का खतरा** रहता है। महिलाओं और बच्चों के इससे अधिक प्रभावित होने की आशंका रहती है, क्योंकि उनका अधिकांश समय घरों के भीतर बीतता है।
- **इनडोर वायु प्रदूषण से निपटने से संबंधित पहलें: राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम, पीएम उज्ज्वला योजना** जैसी पहलें आरंभ की गई हैं।

डेनाली फॉल्ट (भ्रंश)

नए शोध से पता चलता है कि **डेनाली फॉल्ट के समानांतर तीन साइट्स किसी समय लघु संयुक्त भूगर्भिक स्थलाकृति** थी।

- **अवस्थिति:** डेनाली फॉल्ट **अलास्का (संयुक्त राज्य अमेरिका)** में स्थित एक प्रमुख **स्ट्राइक-स्लिप** फॉल्ट है। यह **प्रशांत महासागर की रिंग ऑफ फायर पेटी की व्यापक टेक्टॉनिक गतिशीलता** का हिस्सा है।

फॉल्ट (भ्रंश) और उसके प्रकार:

- भ्रंश पृथ्वी की भूपर्पटी की **चट्टानों में तीव्र दरार** है।
- **प्रकार:**
  - **नॉर्मल फॉल्ट:** यह तब बनता है, जब फॉल्ट के ऊपर की चट्टान नीचे की चट्टान के सापेक्ष नीचे की ओर खिसकती है।
  - **रिवर्स फॉल्ट:** इसमें **फॉल्ट प्लेन के ऊपर स्थित चट्टान का ब्लॉक और ऊपर की ओर** हो जाता है और नीचे के ब्लॉक के ऊपर चला जाता है।
  - **स्ट्राइक-स्लिप फॉल्ट:** यह तब बनता है, जब दो **प्लेट्स क्षैतिज रूप से (हॉरिजॉन्टली) एक-दूसरे से आगे** बढ़ती हैं।
  - **ओब्लिक स्लिप फॉल्ट:** इस भ्रंश के दोनों तरफ एक-एक ब्लॉक्स एक साथ दो अलग-अलग दिशाओं में संचालित होते हैं तथा **स्ट्राइक-स्लिप घटक के साथ नॉर्मल या रिवर्स फॉल्टिंग** दोनों को जोड़ते हैं।

मम्प्स रोग

तमिलनाडु ने केंद्र सरकार से सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम (UIP) में **मम्प्स रोग** का टीका शामिल करने का अनुरोध किया है।

- UIP के तहत **12 बीमारियों** के खिलाफ नि:शुल्क टीकाकरण की व्यवस्था की गई है। इसमें देश भर की **9 बीमारियां शामिल हैं, जैसे डिप्थीरिया, टिटनेस, पोलियो, खसरा, हेपेटाइटिस बी आदि।**
  - इसके अतिरिक्त, इसमें विशिष्ट क्षेत्रों में **रोटावायरस डायरिया, न्यूमोकोकल निमोनिया और जापानी एन्सेफलाइटिस के खिलाफ** भी टीकाकरण शामिल है।

मम्प्स रोग के बारे में

- यह एक **संक्रामक वायरल संक्रमण है, जो लार ग्रंथियों को प्रभावित** करता है। यह आमतौर पर **हल्का और स्व-सीमित** होता है।
  - यह **बच्चों और वयस्क युवाओं** से संबंधित एक गंभीर बीमारी है।
- **लक्षण:** जबड़े में दर्दनाक सूजन, बुखार, थकान, भूख न लगना और सिरदर्द।
- **फैलाव:** मम्प्स वायरस के लिए केवल मनुष्य होस्ट है। यह रोग संक्रमित व्यक्ति के साथ सीधे संपर्क के माध्यम से या संक्रमित व्यक्तियों के ऊपरी श्वसन पथ से हवा में निकली ड्रॉप्लेट्स से फैलता है।

सुर्ख़ियों में रहे स्थल

लेसोथो (राजधानी: मासेरू)

भारत ने **खाद्य सुरक्षा और पोषण का समर्थन** करने के लिए मानवीय सहायता के रूप में लेसोथो को **1,000 मीट्रिक टन चावल** सहायता के रूप में भेजा है।

भौगोलिक अवस्थिति:

- यह एक **स्थलरुद्ध देश** है। लेसोथो पूरी तरह से **दक्षिणी अफ्रीका** के भीतर अवस्थित है।
- इसे द माउंटेन किंगडम के नाम से भी जाना जाता है।

भौगोलिक विशेषताएं:

- **पर्वत:** ड्रेकेन्सबर्ग और मालोटी पर्वतमाला।
- **नदियां:** ऑरेंज नदी। यह **दक्षिणी अफ्रीका की सबसे बड़ी नदियों** में से एक है। यह **लेसोथो उच्च-भूमि** से निकलती है।

अहमदाबाद बेंगलूरु भोपाल चंडीगढ़ दिल्ली गुवाहाटी हैदराबाद जयपुर जोधपुर लखनऊ प्रयागराज पुणे राँची